## लाभदायक पत्रिका

मुझे विज्ञान प्रगति का फरवरी 2014 का अंक बेहद पसंद आया। इस अंक का 'सवाल जब जब, जवाब तब तब' तथा 'ब्लैक बॉक्स की कहानी' लेख बहुत आए। मार्च 2014 का अंक भी मुझे बहुत पसन्द आया जिसमें विज्ञान प्रश्न स्तंभ के अंतर्गत प्रतियोगियों के लिए लेख तथा अन्तरिक्ष विज्ञान के अंतर्गत 'नये साल का नया तोहफा' बहुत ही ज्ञानमयी लगा। मुझे विज्ञान प्रगति से अत्यंत रोचक जानकारियां प्राप्त होती हैं। यह पत्रिका हम लोगों के लिए विज्ञान के क्षेत्र में बहुत ही लाभदायक है। मार्च अंक में विज्ञान क्विज 'मानव का मंगल अभियान' पढ़ा तो मेरा मन गदगद हो गया। अंत में लेखक एवं सम्पादक महोदय को गहन मेहनत के लिए धन्यवाद! अगले अंक की प्रतिक्षा में.....।

**श्री नमुना पड़ित, सुपुत्र श्री रामा पड़ित, ग्राम खाप मिश्रौली, पोस्ट शाहपुर, 821243 जिला-सीवान (बिहार)**
**[मो. : 08298469450]**

## ज्ञान का प्रतिबिंब

मुझे विज्ञान प्रगति का मार्च 2014 का अंक काफी आकर्षक लगा। मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ और इसके सर्वोपयोगी होने के कारण इसे शत्-शत् नमन करता हूँ। यह पत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में पाठकों के लिए ज्ञान का ऐसा प्रतिबिंब है जो सदैव हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। यह पाठकों के लिए रामबाण की तरह कार्य करती है क्योंकि इसके अध्ययन से हम विज्ञान के अनजाने पहलुओं से परिचित होते हैं। इस पत्रिका का प्रत्येक अंक संग्रहणीय होता है। विज्ञान प्रगति विज्ञान के छात्रों के लिए वरदान है। इसकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता पहले से काफी निखर चुकी है। अब यह रंगीन और आकर्षक डिजाइनों में उपलब्ध है। हम संपादक महोदय से विनती करते हैं कि वे इस पत्रिका में पृष्ठों की संख्या बढ़ाएं।

**श्री मंतव्य राज पाण्डेय, स्नातकोत्तर (गणित) जेपीयू, छपरा (बिहार)**
**[मो. : 08002413554]**

## वैज्ञानिक पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ और मैंने जब इसे प्रथम बार पढ़ा था तो आने वाले अगले महिने के अंक का बेसब्री से इन्तजार करना पड़ा। अब तो मेरा इससे अटूट रिश्ता सा हो गया है। मुझे विज्ञान प्रगति का हर एक अंक सर्वोपरी लगता है क्योंकि इसका प्रत्येक अंक बड़ा ही रोचक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से लबालब होता है तथा पाठकों में वैज्ञानिक सोच विकसित करता है। मैं अपने सभी युवा दोस्तों, विद्यार्थियों व अन्य सदस्यों से निवेदन करता हूँ कि इस वैज्ञानिक पत्रिका को पढ़ने से वंचित न रहें। विज्ञान प्रगति सभी पाठकों के दिलों में होली के रंगों की तरह इसी प्रकार ज्ञानवर्द्धक रंग बरसाती रहे यही मेरी कामना है।

विज्ञान प्रगति सभी की शक्ति है,
इसे पढ़कर हर कोई प्रफुल्लित है।
ये विज्ञान के सामर्थ्य की गति है,
ये सिरमौर पत्रिका विज्ञान प्रगति है।

**श्री धनराज साँखला (डी.राजन), सुपुत्र श्री हनुमान राम साँखला, शिव नगरी, पीपाड़ रोड़, जिला-जोधपुर (राजस्थान)**
**[मो. : 08560880995, ई-मेल : drajan98@gmail.com]**

## प्रेरणादायक पत्रिका

मैं उदय प्रताप इण्टर कॉलेज, वाराणसी का कक्षा 11 का छात्र हूँ और मानता हूँ कि विज्ञान प्रगति ही एक ऐसा माध्यम है जो भविष्य के वैज्ञानिकों के अन्दर विज्ञान के प्रति रुचि जगा रही है, जिनमें से मैं स्वयं भी एक हूँ। मैं भी वैज्ञानिक बनना चाहता हूँ और वह भी भारतीय वैज्ञानिक। मैंने हाई स्कूल परीक्षा में 91% अंक प्राप्त करके वाराणसी जिले में पाचवाँ स्थान प्राप्त किया। विज्ञान प्रगति के रुचिकर तथ्यों ने मेरे अन्दर विज्ञान और गणित के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न की है जिसके फलस्वरूप मैंने विज्ञान में 94 तथा गणित में 98 अंक प्राप्त किए। विज्ञान प्रगति मेरे लिए एक प्रेरणादायक पत्रिका साबित हो रही है।

मुझे विज्ञान प्रगति का प्रत्येक अंक पसंद आता है और मैं चाहता हूँ कि अगले अंकों में आप भारत व विदेश के महान वैज्ञानिकों व गणितज्ञों के जीवन की घटनाओं को ऐसे ही प्रदर्शित करते रहें।

**श्री आकाश मौर्य, सुपुत्र श्री दिलीप कुमार मौर्य, एस एन-171/100, इन्द्रपुर, शिवपुर, वाराणसी (उ.प्र.)**

## प्रशंसनीय पत्रिका

सर्वप्रथम मैं विज्ञान प्रगति के संपादक मण्डल को उनके द्वारा विज्ञान संचार के लिये किये जा रहे महत्वपूर्ण कार्य के लिये उनका आभार व्यक्त करता हूँ। मैं एक शोध छात्र हूँ तथा मैं अपना शोध कार्य प्राणि विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय में कर रहा हूँ। मैं पिछले 8 सालों से विज्ञान की विभिन्न पत्रिकाओं यथा विज्ञान गरिमा सिंधु, विज्ञान, विज्ञान-प्रगति, साइन्स रिपोर्टर, आविष्कार, डाउन टू-अर्थ का पाठक हूँ। इन सभी पत्रिकाओं में आपके संस्थान द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका विज्ञान प्रगति व साइन्स रिपोर्टर का अति महत्वपूर्ण स्थान है। खासतौर से हिन्दी भाषा में विज्ञान संचार का कार्य वास्तव में प्रशंसनीय है, क्योंकि विज्ञान के क्षेत्र में मुझे यह आभास होता है कि समाज के अंदर हम विज्ञान का संचार केवल मातृभाषा के माध्यम से ही अच्छा कर सकते हैं क्योंकि जब तक विज्ञान में हो रही दिन-प्रतिदिन की नवीन खोजों के बारे में आम आदमी को उसकी अपनी सरल सहज भाषा में इसकी जानकारी नहीं होगी, तब तक विज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य बहुत मुश्किल होगा। इसके लिये आपके संस्थान द्वारा हिन्दी में प्रकाशित मासिक पत्रिका विज्ञान प्रगति का अहम् योगदान है जो पिछले 62 वर्षो से यह कार्य निरन्तर कर रही है इसके लिये मैं और समस्त हिन्दी भाषा विज्ञान में रुचि रखने वाले व्यक्ति इसके लिये आपके आभारी हैं। यह पत्रिका सम्पूर्णता लिये हुये है। इसमें प्रकाशित सभी लेख उच्च कोटि के होते हैं तथा सभी लेख सहज व सरल भाषा में लिखे होते हैं, जिन्हें विज्ञान क्षेत्र के अलावा अन्य विषय के पाठकगण भी सहज ही समझते हैं। यह पत्रिका प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिये भी बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसमें प्रकाशित 'विज्ञान क्विज' के अन्तर्गत पूछे गये प्रश्नों का खजाना प्रतियोगियों के लिये अमूल्य होता है। इसके लिये मैं लेखक गणों का भी आभार व्यक्त करना चाहूँगा जो निरन्तर इस पत्रिका के लिये अपने लेख प्रकाशनार्थ भेजते हैं, जिससे हमें विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की अमूल्य जानकारियां प्राप्त होती हैं। अभी हाल ही मैं आपके संस्थान राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान द्वारा प्रकाशित एक अन्य प्रकाशन '*जर्नल ऑफ साइन्टिफिक टेम्पर*' के लिये भी आपको शुभकामनायें प्रेषित कर रहा हूँ, भविष्य में यह प्रकाशन हम जैसे शोधार्थियों के लिये अमूल्य साबित हो, मैं यह कामना करता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि भविष्य में भी इसी तरह हम जैसे पाठक गणों को विज्ञान के विभिन्न विषयों के बारे में अविरत कुछ नया सीखने को मिलता रहेगा।

**श्री अनिल कुमार चान्दोलिया, बी-135, शांति नगर, गुर्जर की थड़ी, जयपुर (राजस्थान) 302019 (राजस्थान)**
**[मो. : 09782169060;**
**ई-मेल : anil.chandolia01@gmail.com]**

## एक आदर्श पत्रिका

मैं मैकेनिकल इंजीनियरिंग (प्रोडक्शन) पॉलिटेक्निक तृतीय वर्ष का छात्र हूँ तथा विज्ञान प्रगति का विगत दो वर्षों से नियमित पाठक हूँ। मैं विज्ञान प्रगति का संग्रहण भी करता हूँ। जब विज्ञान प्रगति का मार्च अंक मेरे हाथों में आया तो मेरी खुशी का कोई ठिकाना न था क्योंकि ये अंक अंतरिक्ष विज्ञान पर विशेष था जो मेरी रुचि का विषय है। आमुख कथा के अंतर्गत 'अंतरिक्ष में भारत का एक और सुदृढ़ कदम' पढ़कर बहुत अच्छा लगा। 'आइंस्टीन : जीवन दर्शन', पुस्तक समीक्षा के अंतर्गत 'विज्ञान साहित्य परिचय' पढ़कर दिल बाग-बाग हो गया। 'सवाल जब जब, जवाब तब तब', 'विज्ञान प्रश्न' तथा 'विज्ञान क्विज़' ये पत्रिका में चार चांद लगाते हैं। वर्ग पहेली भी ज्ञान से सराबोर होती है, जिसके माध्यम से बहुत महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।

**श्री संदीप गुप्ता, सुपुत्र श्री हृदयानन्द गुप्ता, ग्राम-सेमरी, पोस्ट-छाता, थाना-बॉसडीह रोड, तहसील - बलिया, जिला-बलिया, 277210 (उत्तर प्रदेश) [मो. : 09058511167, 09838969675; ई-मेल : sandeepg 201@gmail.com]**

## सर्वश्रेष्ठ पत्रिका

निःसन्देह पुरातन तथा अत्याधुनिक आविष्कारों की जानकारी देने वाली 'विज्ञान प्रगति' एक सर्वश्रेष्ठ पत्रिका है। विज्ञान प्रगति के मार्च 2014 के अंक में प्रकाशित आमुख कथा 'अन्तरिक्ष में भारत का एक और सुदृढ़ कदम' में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा भारी उपग्रहों के प्रक्षेपण की क्रायोजेनिक तकनीक विकसित कर जीएसएलवी - डी 5 के सफलतापूर्वक किये गये प्रक्षेपण के बारे में जानने

को मिला। युगप्रवर्तक महाविभूति में 'आइंस्टीन : जीवन दर्शन' को पढ़कर आइंस्टीन से जुड़े तथ्यों को जानने को मिला। नवीन जानकारी के अंतर्गत विज्ञान समाचार बहुत ज्ञानवर्धक लगा। विज्ञान प्रश्न तथा विज्ञान क्विज तो हमेशा की तरह ज्ञान का भंडार बने रहते हैं।

विज्ञान प्रगति मेरे लिए प्रेरणा स्रोत है। जब मैं कल्पनाओं के भंवर में वृत्ताकार होकर घूमने लगता हूँ तो यह सर्वश्रेष्ठ पत्रिका 'विज्ञान प्रगति' मेरे हाथ में आते ही उस समय मन और मेरी दृष्टि को प्राकृतिक छाया की शीतलता प्राप्त होती है जिसके आधार पर मैं यह कह सकता हूं कि यह पत्रिका सर्वश्रेष्ठ है। इतनी सारी जानकारियों से अवगत कराने के लिए विज्ञान प्रगति की पूरी टीम को कोटि-कोटि धन्यवाद!

**श्री सुजीत शर्मा, सुपुत्र श्री ध्रुव देव शर्मा, ग्राम+पोस्ट - सिकटा (छोटा), जिला-कुशीनगर 274303 (उ.प्र.) [मो. : 09451260040, 09792923689; ई-मेल : sujit1996gkp@gmail.com]**

## विज्ञान प्रगति जनवरी 2014 पर केन्द्रित

मंगल अभियानों पर विशेष रूप से केन्द्रित विज्ञान प्रगति का जनवरी 2014 का अंक अदभुत ज्ञान भण्डार व मनोहारी पृष्ठ सज्जा के साथ मिला, जिसकी जितनी-सराहना की जाए कम है। इस अंक पर मेरी काव्यगत प्रतिक्रिया इस प्रकार है :

विज्ञान प्रगति सबके मन को भाती है,
लाती है ज्ञान का खजाना सबके मन को हर्षाती है।
सभी वर्ग के पाठक इससे तरह-तरह से लेते हैं लाभ,
प्रतियोगी इसका अध्ययन कर लेते अपना लक्ष्य साध।
विषय-वस्तु चुन-चुन कर लाती, बात पते की बहुत बताती,
लेखक अतुलनीय हैं, सम्पादन सर्वत्र वन्दनीय है।
बहुत खूबियाँ हरेक अंक में होती हैं,
पत्रिका तो ज्ञान माला है, लेख सदृश अनमोल हैं मोती।
टूट गया आज देश का टेलीग्राम से नाता,
एक जमाना इसका भी था, वी.आई.पी. बनकर आता।
तकनीकों ने कर दिया सुलभ, सूचना क्रान्ति में हाई टेक,
पलक झपकते मिल जाते हैं दुनिया भर से अच्छे मीत।
फूल पत्तियों की दुनियां को भी जोड़ा अपने साथ,
इससे बेहतर क्या हो सकता मुझे बताएं श्रीमन आप।
इसलिए बधाई स्वीकार करें कृष्ण कुमार दे रहे मन से,
कोई नहीं है सानी इसका कहते बात अदब से।

**श्री कृष्ण उपाध्याय, एडवोकेट, 8/262 - बैरिहवां, गांधी नगर, बस्ती, जनपद-बस्ती 272001 (उ.प्र.)**
**[मो. : 09839987104, 07275256233]**

## प्रकाशमयी पत्रिका

मैं बी.एससी. द्वितीय वर्ष का छात्र हूँ तथा विज्ञान प्रगति का जनवरी 2010 से नियमित पाठक हूँ। समय-समय पर इस पत्रिका में अनेक विषयों से सम्बन्धित जानकारी प्रकाशित होती आयी हैं जिससे पाठकों के ज्ञान में वृद्धि होती है, इसलिए मैं कह सकता हूँ कि यह प्रकाशमयी पत्रिका है। दिसम्बर 2013 के अंक में चक्रवात एक भीषण प्राकृतिक आपदा एवं ज्वार-भाटा पर विशेष लेख पढ़कर बहुत अच्छा लगा। इस पत्रिका पर पाठकों द्वारा भेजी गयी कवतियें भी बहुत पसंद आती हैं। यदि 'सवाल जब-जब, जवाब तब-तब' के अन्तर्गत पाठकों द्वारा भी प्रश्न उत्तर आमन्त्रित किये जायें तो मुझे बहुत अच्छा लगेगा।

**श्री अमरसिंह राघव, सुपुत्र श्री बृजपाल सिंह राघव, ग्राम मुड़िया जैन, पो. हाथीपुर चन्दु, तह.-बिलारी, जिला-मुरादाबाद (उ.प्र.)**
**[मो. : 09720014292;**
**ई-मेल : amarsinghraghav3@gmail.com]**

## बच्चों के लिए

मैं विज्ञान प्रगति की नियमित स्रोता हूँ। मैं कक्षा एक में पढ़ती हूँ। मेरे पापा जो कि इस पत्रिका के नियमित पाठक हैं, मुझे विज्ञान प्रगति में प्रकाशित लेखों को पढ़कर सुनाते हैं। फरवरी अंक की आमुख कथा 'कौन हैं हम भारतवासी' में यू.पी. व बिहार की एक खास जाति मुसहर के बारे में जानकर आश्चर्य हुआ कि ये हम लोगों से रूप-रंग में अलग क्यों होते हैं। मुझे लेजर शो पसंद है पर पापा ने बताया कि इसे सावधानीपूर्वक आँख और शरीर को बचाकर देखना चाहिए। सूर्य, कंगारू, मैडम क्यूरी और विज्ञान शिक्षक पर कविता सुनने में बहुत अच्छा लगा। विज्ञान शिक्षक पर कविता मैंने याद कर मेम को सुनायी तो मेम ने कहा कि कहाँ से याद की है, तो मैंने मेम को बताया कि विज्ञान प्रगति से। हाथियों के बारे में जानकर काफी खुशी हुई तथा इस बार 'विज्ञान गल्प' नहीं होने से काफी दुःख हुआ। कृपया विज्ञान गल्प और जानवरों की कहानी जरूर दिया करें।

**कु. मोना विजय कुमार भारती, अमर ज्योति इंटरनेशनल स्कूल, राधनपुर, जिला-पाटन 385340 (गुजरात)**
**[मो. : 07878005084]**

## मस्तिष्क को खोलने वाली पत्रिका

जिसे ढूंढा, मगन हमने पाया।
अगर पाया तो विज्ञान प्रगति में पाया।।

विज्ञान प्रगति एक ऐसा मंच है, एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम न केवल विभिन्न विषयों, देशों और नयी खोजों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं बल्कि अपने इस विचार एवं अनुभव को भी दूसरों तक पहुँचा सकते हैं।

विज्ञान प्रगति की फरवरी 2014 की आमुख कथा 'कौन हैं हम भारतवासी', महत्वपूर्ण जानकारी के अंतर्गत 'लेज़र के प्रयोग में जरूरी हैं सावधानियां' तथा 'ऐतिहासिक अन्तरिक्षयान : वायज़र-1' मस्तिष्क के पट खोलने वाले लेख लगे। विज्ञान प्रगति के पाठकों से प्रार्थना एवं निवेदन करता हूँ कि हम सब मिलकर विज्ञान प्रगति को और गति देंगे ताकि आने वाली हमारी पीढ़ी इस खुली दुनिया में चार चांद लगा सके।

**श्री छोटे लाल पासवान, सुपुत्र श्री असेश्वर पासवान, ग्राम-गोढिया पो. कुशोधर, थाना लहेरियासराय, जिला-दरभंगा 846001 (बिहार)**
**[मो. : 09955841616]**

## ज्ञान का स्रोत

मैं भारतीय वायु सेना का रिटायर्ड कर्मचारी हूँ जहाँ पर मुझे इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में कार्य करने का मौका मिला। मैं अपने विद्यार्थी जीवन से ही विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक रहा हूँ और इससे मुझे हमेशा कुछ करने की प्रेरणा मिलती रही और मेरे लिए विज्ञान प्रगति ही ज्ञान का स्रोत है। अभी मैं अपने बच्चों को भी प्रत्येक माह विज्ञान प्रगति ला कर देता हूँ तथा उनको पढ़ने के लिए प्रेरित करता हूँ। फरवरी माह के अंक की 'ब्लैक बॉक्स की कहानी' पढ़ने में अत्यन्त रोचक लगी, यह वायुयानों की दुर्घटनाओं के समय कितनी उपयोगी है यह जानकारी प्राप्त हुई। इसके अलावा 'प्रो. सी. एन. आर. राव' तथा 'अन्तरिक्ष परी : कल्पना चावला' तथा भारत के प्रमुख वैज्ञानिक व तकनीकी संस्थानों की जानकारी महत्वपूर्ण लगी। अन्त में, मेरा विज्ञान प्रगति के लेखकों के साथ-साथ सम्पादक मण्डल को सहृदय धन्यवाद।

**श्री कृष्णपाल वर्मा, बी-631, विश्व बैंक कालोनी, बर्रा, कानपुर नगर 208027 (उ.प्र.) [मो. : 09026363086**
**ई-मेल : kpv.pal4@gmail.com]**

## ज्ञान का महासागर

मैं विज्ञान प्रगति का पिछले एक साल से नियमित पाठक हूँ और मेरे लिए विज्ञान प्रगति एक विज्ञान गुरु से कम नहीं है। जब मैं विज्ञान की समस्याओं में फंस जाता हूँ तो यह पत्रिका ही मेरा मार्गदर्शन करती है। विज्ञान प्रगति से विज्ञान का सम्पूर्ण ज्ञान उपलब्ध हो जाता है, अतः विज्ञान प्रगति को 'ज्ञान का महासागर' कहना उचित होगा। इसमें संपादित होने वाले सभी कॉलम ज्ञानवर्धक होते हैं इसके लिए मैं विज्ञान प्रगति के सभी कार्यकर्त्ताओं का तहेदिल से शुक्रिया अदा करता हूँ।

हर माह के आखिरी सप्ताह में ही बच्चे विज्ञान प्रगति को तलाशना शुरू कर देते हैं क्योंकि माँग के अनुपात में यह पत्रिका लगभग हर महीने कम पड़ जाती है। आश्चर्य की बात यह है कि पत्रिका के जब जब दाम बढ़ाये गए हैं तब तब इसकी खूबियां भी बहुत बढ़ी हैं जिससे दाम बढ़ने के साथ ही प्रसार भी बढ़ जाता है।

**श्री रंजीत किशोर, आर-17, शिवालिक नगर, भेल, हरिद्वार**
**[मो. : 09608958082, 09525241955**
**ई-मेल : ranjeetkishoresuman@gmail.com]**

## अनमोल पत्रिका

सच कहूँ तो विज्ञान प्रगति ज्ञान का वह समुद्र है जिसके बिना हमारा जीवन असम्भव है। जिस तरह एक माँ अपने बच्चों को जीवन गुजारने के सही गुण सिखाती है, ठीक उसी प्रकार विज्ञान प्रगति भी आगे बढ़ने के लिए सही दिशा देती है। विज्ञान प्रगति का हर अंक अपने आप में बहुत अनमोल होता है। मुझे पूरा विश्वास है कि वो दिन दूर नहीं जब यह देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की सर्वश्रेष्ठ पत्रिकाओं में से एक होगी।

मैं बी.एससी. तृतीय वर्ष (वनस्पति विज्ञान) का छात्र हूँ तथा जब मेरा जन्म भी नहीं हुआ था तभी से विज्ञान प्रगति हमारे परिवार का महत्वपूर्ण अंग बनी हुई है। विज्ञान प्रगति के कारण मुझे राज्य स्तर पर 'ग्लोबल वार्मिंग' विषय में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ, इसके अलावा और भी तरह-तरह के पुरस्कार मिले। इस सबके पीछे मेरी 'माँ' और 'विज्ञान प्रगति' का बहुत बड़ा हाथ रहा है। मुझे बड़े-बड़े बुद्धिजीवियों से मिलना का मौका भी मिला तथा मेरे शहर में दिसम्बर 2013 को 'मेगा साइंस फेयर' लगा जिसमें हमें इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति आदरणीय डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी से भी मिलने और बात करने का मौका मिला।

**श्री फवाद गज़ाली, सुपुत्र श्री सैयद अब्दुल रहीम, मोहल्ला मुल्ला हलीम खाँ (उर्दू बाज़ार), दरभंगा, 846004 बिहार**
**[मो. : 09031523465;**
**ई-मेल : fawadghazali786@gmail.com]**